

गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष बन सकते थे पर एआईसीसी की सदस्यता के लिए छटपटा रहे हैं

स्व. राजीव गांधी की जयंती की आड़ में सोनिया गांधी की नज़रों में आने की कोशिश में जुटे हैं गहलोत

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 19 अगस्ता राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज दोपहर दिल्ली पहुँचे। वे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती को बहाना बनाकर गांधी परिवार से रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं, जहाँ वे 25 सितंबर 2023 से ‘‘पर्सोना नॉन ग्राटा’’ (महत्वहीन एवं नगण्य मात्र) बन कर रह गए हैं, जब उन्होंने अपनी मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाने के लिए सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत का नेतृत्व किया था।

अशोक गहलोत सुबह राजीव गांधी के स्मारक वीर भूमि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिसके बाद वे राजीव गांधी स्टडी सर्कल का कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। इसमें उन्होंने कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं को आमंत्रित किया है।

राजीव गांधी फ़ाउंडेशन के ट्रस्टी और कार्यकारी समिति के सदस्य पी. चिंदबरम आमंत्रितों में शामिल हैं। उनके

- स्व. राजीव गांधी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रमों के सिलसिले में अशोक गहलोत दिल्ली पहुंच गए हैं जहां वे 20 अगस्त को सुबह राजीव गांधी के स्मारक वीर भूमि पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे।
- वे खुद भी अपनी संस्था, राजीव गांधी स्टडी सर्किल, के जरिए एक कार्यक्रम कर रहे हैं जिसमें उन्होंने सोनिया गांधी को आमंत्रित किया है। कार्यक्रम में उन्होंने दिल्ली में बैठे अपने सभी हितैषियों, जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, पी. विदम्बरम आदि को भी आमंत्रित किया है।
- सूत्रों का कहना है कि सोनिया गांधी गहलोत के कार्यक्रम में संभवतया नहीं जाएंगी, क्योंकि गांधी परिवार ने गहलोत को 25 सितम्बर 2023 की उस घटना के लिए माफ नहीं किया है जब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बने रहने के लिए उन्होंने बगावत कर दी थी और बरसों का विश्वास एक पल में खो दिया था।
- गांधी परिवार में ‘‘अवांछित’’ और ‘‘महत्वहीन’’ बन चुके गहलोत बार-बार प्रयास कर रहे हैं कि उन्हें किसी भी प्रकार से गांधी परिवार में जगह मिल जाए।
- विडम्बना है कि गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष बन सकते थे पर लालच में उठाए गए एक कदम ने उन्हें कहीं का भी नहीं रखा, उन्हें अब एआईसीसी की सदस्यता मात्र पाने के लिए हाथ पैर मारने पड़ रहे हैं।

साथ जयराम रमेश, मुकुल वासनिक और अन्य एआईसीसी पदाधिकारी भी

आमंत्रित हैं।

सूत्रों का कहना है कि फ़ाउंडेशन की

चेयरपर्सन सोनिया गांधी को भी निमंत्रण (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टीम इंडिया में शुभमन गिल की शानदार वापसी

एशिया कप में भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान बनाए गए हैं शुभमन गिल

मुंबई, 19 अगस्ता एशिया कप 2025 के लिए भारत के 15 सदस्यीय दल में शुभमन गिल को न केवल मौका दिया गया है बल्कि उन्हें टीम का उपकप्तान भी बनाया गया है। मुंबई के बीसीसीआई हेडक्वार्टर में चयन समिति की बैठक के बाद एशिया कप के लिए मंगलवार को टीम का ऐलान कर दिया गया। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम में संजु सैमसन और अभिषेक शर्मा को भी मौका दिया गया है लेकिन गिल को उपकप्तान बनाए जाने के बाद, इस बात की उम्मीद की जा सकती है, वह पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

गिल की वापसी के संदर्भ में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा, पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप के बाद उन्होंने (शुभमन गिल) टीम की अगुवाई की थी। जब हम श्रीलंका गए तब वह उपकप्तान थे। इसके बाद हम टेस्ट

- टीम इंडिया दस सितम्बर को दुबई में यू.ए.ई. के खिलाफ मैच खेलकर अपना अभियान शुरू करेगी।
- टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शुभमन गिल की वापसी को टीम के लिए फायदे मंद बताया।
- तेज गेंदबाज हर्षित राणा को भी मौका दिया गया है।

क्रिकेट में व्यस्त हो गए लेकिन उनकी

वापसी हमारे लिए अच्छी है। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप के बाद यह बड़ी सीरीज है और यह खुद को जांचने का अच्छा मौका है।

जितेश शर्मा को दूसरे विकेटकीपर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने आरसीबी के लिए हालिया आईपीएल में काफी कमाल की बल्लेबाजी की थी। इसके अलावा तेज गेंदबाजी विभाग में हर्षित राणा को मौका दिया गया है।

अगर मध्य और निचले क्रम में बल्लेबाजी के विकल्प के बारे में बात की जाए तो टीम में केप्टन सूर्यकुमार, तिलक वर्मा, रिकू सिंह और जितेश शर्मा हैं। अगर भारत गिल और अभिषेक से पारी की शुरुआत करता है तो जितेश को पहली पसंद विकेटकीपर के तौर पर उतारा जा सकता है। टीम में तीन ऑलराउंडर हैं, जिसमें अक्षर पटेल, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने राधाकृष्णन को समर्थन देने की अपील की

नयी दिल्ली, 19 अगस्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी दलों से उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रत्याशी सी पी राधाकृष्णन का समर्थन करने की अपील की है।

मोदी ने यहां संसद भवन के सभागार में राजग सांसदों की बैठक में सभी सांसदों, विशेष रूप से विपक्षी दलों से राधाकृष्णन को समर्थन देने की अपील की ताकि उन्हें सर्वसम्मति से

- राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति चुनाव में सत्तारूढ़ एनडीए के प्रत्याशी हैं।

उपराष्ट्रपति चुना जाये।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री ने ‘एक्स’ पर लिखा, मंगलवार सुबह दिल्ली में एनडीए संसदीय दल की बैठक में भाग लिया। उपराष्ट्रपति पद के लिए सी पी राधाकृष्णन की उम्मीदवारी के पक्ष में उत्साह देखकर प्रसन्नता हुई।

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने संवाददाताओं को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में उपराष्ट्रपति चुनाव (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन के विदेश मंत्री ने प्र.मंत्री मोदी से मुलाकात की

नयी दिल्ली, 19 अगस्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन के साथ सीमा पर शांति और सौहार्द बनाये रखने के महत्व पर जोर देते हुए कहा है कि भारत इस मुद्दे के पर परस्पर स्वीकार्य समधान के लिए प्रतिबद्ध है। मोदी ने भारत की यात्रा पर आये चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ यहां मंगलवार को बातचीत में यह बात कही। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में बताया कि मोदी ने वांग से कहा कि सीमा प्रश्न के निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान के लिए भारत प्रतिबद्ध है।

- चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने प्र.मंत्री मोदी को शंघाई कोऑपरेशन शिखर सम्मेलन में आने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का निमंत्रण दिया। मोदी ने निमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया।

चीन के विदेश मंत्री ने अपनी भारत यात्रा के दूसरे दिन प्रधानमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें चीन में इस महीने के अंत में होने वाले शंघाई शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ओर से निमंत्रण दिया। मोदी ने एससीओ शिखर सम्मेलन के निमंत्रण के लिए राष्ट्रपति शी को धन्यवाद दिया और उसे स्वीकार किया। उन्होंने चीन की अध्यक्षता में (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या उपराष्ट्रपति का चुनाव राजनैतिक समीकरणों में उलटफेर कर पाएगा?

सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्षी गठबंधन इंडिया ने इसी रणनीति के आधार पर प्रत्याशी घोषित किए हैं

- विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने आंध्र प्रदेश में जन्मे सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी को प्रत्याशी घोषित किया है, इसका लक्ष्य आंध्र के मुख्यमंत्री चन्द्र बाबु नायडू हैं। हालांकि तेलुगुदेशम ने एनडीए के प्रत्याशी राधाकृष्णन के प्रति पूर्ण समर्थन जताया है पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।
- एनडीए अपने प्रत्याशी एस राधाकृष्णन, जो मूलतः संघ से जुड़े रहे हैं, के नाम पर तमिल कार्ड खेल रहा है। राधाकृष्णन का प्रचार देख रहे राजनाथ सिंह ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से मुलाकात कर समर्थन भी मांगा है, हालांकि स्टालिन ने कुछ नहीं कहा है।

पूर्व न्यायाधीश होने के अलावा, रेड्डी गोवा के पहले लोकयुक्त भी रहे हैं। खड्गे ने कहा, इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियों ने एक साझा उम्मीदवार पर सहमति जताई है, यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया है। मैं खुश हूँ कि सभी विपक्षी दल एक नाम पर

सहमत हुए हैं। यह लोकतंत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। भाजपा ने रविवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल और तमिलनाडु के पूर्व वरिष्ठ नेता सी.पी. राधाकृष्णन को एनडीए का उम्मीदवार घोषित किया था। यह कदम अगले साल तमिलनाडु में होने वाले

विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर उठाया गया माना जा रहा है। विपक्षी दलों ने सोमवार को ही उपराष्ट्रपति पद के लिए एक ऐसे उम्मीदवार पर विचार शुरू कर दिया था जो न केवल विपक्ष के भीतर बल्कि गैर-सम्बद्ध दलों में भी स्वीकार्य हो। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह राधाकृष्णन के समर्थन में चुनाव प्रचार की कमान संभाले हुए हैं। राजनाथ सिंह ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से संपर्क किया था, ताकि न केवल एनडीए की संख्या को मजबूत किया जा सके, बल्कि तमिल कार्ड खेल कर विपक्षी खेमों में भी फूट डाली जा सके। लेकिन संकेतों से लगता है कि स्टालिन ने राधाकृष्णन को समर्थन देने का कोई वादा नहीं किया। इंडिया गठबंधन ने उम्मीदवार को लेकर दो दौर की बातचीत की थी, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयशंकर तीन दिन की यात्रा पर रूस रवाना

नयी दिल्ली, 19 अगस्ता। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर आज रूस की तीन दिन की आधिकारिक यात्रा पर रवाना होंगे जहां वह रूस के विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता के अलावा भारत-रूस व्यापार मंच की बैठक में भाग लेंगे।

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को

- विदेश मंत्री जयशंकर रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटूरोव के निमंत्रण पर रूस गए हैं।

बताया कि डॉ जयशंकर की यह यात्रा रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटूरोव के निमंत्रण पर हो रही है। यात्रा के दौरान वह बुधवार को निर्धारित भारत-रूस अंतर-सरकारी व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) के 26वें सत्र की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जैलेंस्की ने ट्रम्प को धन्यवाद दिया और ट्रम्प भी जैलेंस्की से काफी खुश दिखे

- जबकि पिछली बार इसी ओवल ऑफिस में हुई एक मीटिंग में ट्रम्प ने जैलेंस्की को बहुत ज्यादा अपमानित किया था।
- ट्रम्प-जैलेंस्की मीटिंग के बाद ‘‘कोअलिशन ऑफ द विलिंग’’ (यूक्रेन समर्थक पश्चिमी देश) की बैठक हुई, इस बैठक का महत्व इतना जरूर रहा कि रूस के मुकाबले पश्चिमी यूरोप एकजुट हो गया, जो हाल ही में बिखरा हुआ सा लग रहा था।
- मीटिंग में ट्रम्प ने त्रिपक्षीय मीटिंग का प्रस्ताव रखा जिसमें रूस व अमेरिका के साथ यूक्रेन भी शामिल हो, पर पुतिन संभवतया इस प्रस्ताव को नहीं मानेंगे क्योंकि वे जैलेंस्की को यूक्रेन का वैध राष्ट्रपति ही नहीं मानते हैं।
- यही नहीं, यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी की बात भी शायद रूस स्वीकार ना करे क्योंकि वह नहीं चाहता कि यूक्रेन को ऐसी कोई सुरक्षा गारंटी मिले जो नाटो की सदस्यता से मिल सकती है।

यह पश्चिमी देशों के लिए एक ठोस रणनीतिक जीत थी, क्योंकि पुतिन का मुख्य उद्देश्य पश्चिमी गठबंधन को तोड़ना था, जो नाकाम हो गया। सम्पूर्ण पश्चिमी गुट को किसी मुद्दे पर एक साथ खड़ा देkhना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद शायद पहली बार हुआ।

तीसरे, डॉनल्ड ट्रंप ने वादा किया कि अगला कदम, रूस और यूक्रेन के बीच त्रिपक्षीय बैठक होगी, जिसमें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी मौजूद रहेंगे और सक्रिय भागीदारी करेंगे। ट्रंप इस बात पर अड़े थे कि अंतिम शांति (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

झटकों, जैसे कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव या अब व्यापारिक टैरिफ, से बचाने में सुरक्षा कवच दिया है।

एस एण्ड पी का यह फैसला एक रणनीतिक संकेतक भी है। अब भारत की रेटिंग इंडोनेशिया और मैक्सिको जैसे देशों के समान स्तर पर है, जबकि मुलभूत आधार के लिहाज से भारत शायद उनसे भी मजबूत है। यह अपग्रेड भारत के लिए निम्नलिखित लाभ ला सकता है:

इस अपग्रेड से संप्रभु जोखिम प्रीमियम में कमी हो सकती है, कॉर्पोरेट्स के लिए उधारी की लागत में गिरावट और सरकारी और कॉर्पोरेट बॉन्ड्स में विदेशी निवेशकों की भागीदारी बढ़ सकती है। बाजार ने पहले ही सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है भारतीय बॉण्ड्स के प्रति

रुचि बढ़ी है और बॉण्ड्स पर सालाना ब्याज भी आसान हुआ है।

लेकिन यह रेटिंग सुधार आत्मसंतोष का कारण नहीं बनना चाहिए। रेटिंग्स मूलतः पिछले प्रदर्शन पर आधारित संकेतक हैं, भविष्य की गारंटी नहीं। सरकार को चुनावी चक्रों के दौरान वित्तीय अनुशासन से समझौता नहीं करना चाहिए। साथ ही, अगर भारत को उत्पादकता में अगली बड़ी छलांग लगानी है, तो भूमि, श्रम और न्यायिक सुधारों को वास्तविक रूप में लागू करना होगा।

आलोचक यह सही कहते हैं कि यह मान्यता काफी देर से आई है। कोविड महामारी और वैश्विक वित्तीय संकटों के दौरान भारत के प्रदर्शन को देखते हुए रेटिंग एजेंसियों को पहले ही (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- विशेषज्ञों ने कहा, यह रिवॉई है मौद्रिक एवं वित्तीय अनुशासन का और यह रिमाइंडर है कि क्रेडिबिलिटी कायम रखना एक सतत प्रक्रिया है, अगर भारत ने ग्रोथ एवं स्थिरता में नाजुक संतुलन कायम रखा तो आगे इसकी रेटिंग और बेहतर हो सकती है।

- विशेषज्ञों ने माना कि देर से ही सही पर अब भारत को ‘‘अपग्रेड’’ किया गया है लेकिन अभी लम्बी लड़ाई बाकी है।
- एस एण्ड पी द्वारा रेटिंग अपग्रेड करने से भारत इंडोनेशिया व मैक्सिको के बराबर आ गया है और अन्तर्राष्ट्रीय बाज़ार में भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देखी गई है।

मान्यता इस ओर इंगित करती है कि अब भारत ने खासकर ‘‘इन्फ्रास्ट्रक्चर डांचा और लॉजिस्टिक्स’’ पर गुणवत्तापूर्ण खर्च को प्राथमिकता दी है, जिससे

दीर्घकालिक विकास की गति तेज होती है। महंगाई लक्ष्य निर्धारण, मजबूत मौद्रिक नीति ढांचा और गहरे होते पूंजी बाजार जैसे सुधारों ने भारत को बाहरी